राजकीय महाविद्यालय ठियोग में साहित्यिक उत्सव

राजकीय महाविद्यालय ठियोग में साहित्य परिषद, हिंदी विभाग तथा भाषा एवं संस्कृति विभाग जिला शिमला के संयुक्त तत्वाधान में साहित्यिक उत्सव का आयोजन किया गया ।जिसमें जिला के कुछ स्थापित साहित्यकारों और विद्यार्थियों के दरमियान कविता लेखन और कविता वाचन को लेकर संवाद किया गया तथा विद्यार्थियों और साहित्यकारों ने अपनी नवोदित की रचनाएं प्रस्तुत की ।इस कार्यक्रम में कवि मोहन साहिल ,ओम भारद्वाज, आत्माराम रंजन , दिनेश शर्मा और सुनील ग्रोवर ने रचना प्रक्रिया पर बातचीत की। कार्यक्रम के संयोजक और विभागाध्यक्ष हिंदी डॉ सत्यनारायण स्नेही ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी और इस कार्यक्रम के ध्येय को स्पष्ट किया कि साहित्यकारो के साथ सम्वाद और उनकी सृजनात्मकता से परिचित होने से विद्यार्थियों में रचनात्मक कौशल का विकास होगा। विद्यार्थियों में कृतिका, तमन्ना ,साक्षी ,पूनम, दीपिका, सुशील ,गरिमा और अंजलि ने काव्य पाठ किया इस कार्यक्रम में सप्ताह भर महाविद्यालय की साहित्य परिषद के बैनर चले आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। जिसमें भाषण में गरिमा और अंजलि, कविता लेखन में तम्मन्ना और साक्षी, निबन्ध लेखन में रजत और विनोद, प्रश्नोत्तरी में साक्षी और विनोद, चित्र वर्णन में सुमित शर्मा और पूनम, नारा लेखन में कृतिका किमटा और अंजलि, पोस्टर निर्माण में मुस्कान और रंजना को क्रमशः प्रथम और द्वितीय पुरस्कार से नवाजा गया। महाविद्यालय में वरिष्ठतम आचार्य डॉ राकेश शर्मा ने आमंत्रित कवियों आयोजकों और विद्यार्थियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। साथ ही जिला भाषा अधिकारी अनिल हारटा का महाविद्यालय में इस साहित्यिक कार्यक्रम में सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। तीन घण्टे चले इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के आचार्य डॉ महेंद्र राठौड़, डॉ आदित्य दुलटा, डॉ रीतिका पांजटा ,डॉ बसन्त जुंटा, डॉ मृत्युंजय शर्मा और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर शिमला भास्कर 17-09-2023

ठियोग राजकीय महाविद्यालय में कवियों ने किया काव्यपाठ

गंभीर कविता के लिए लगातार बेहतर साहित्य पढ़ना और साहित्य के माहौल से जुड़े रहना जरूरी: रंजन

ठियोग| ठियोग के राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को हिंदी विभाग ने जिला भाषा विभाग के सहयोग से हिंदी पखवाड़े के तहत साहित्यिक उत्सव का आयोजन किया। कार्यक्रम में प्रदेश के कवियों ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए हिंदी भाषा और हिंदी कविता को लेकर अपने विचार रखे।

कवि आत्मा राम रंजन ने कहा कि कविता में इतना आकर्षण है कि हर आदमी कविता के माध्यम से बात करना चाहता है लेकिन गंभीर कविता के लिए लगातार बेहतर साहित्य पढ़ना और साहित्य के माहौल से जुड़े रहना जरूरी है। कवि दिनेश शर्मा ने सोशल मीडिया पर बात रखी। ओम भारद्वाज ने कहा कि विद्यार्थियों को ठियोग के जिला पुस्तकालय में उपलब्ध साहित्य, अध्यात्म और कविता से जुड़ी पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन कवि एवं समीक्षक डॉ. सत्य नारायण स्नेही ने किया। कई विद्यार्थियों ने भी कविता पाठ किया जिनमें अंजलि, सुशील, तमन्ना, कृतिका, परीक्षा, साक्षी तथा कृतिका शर्मा आदि शामिल रहे। हिंदी भाषा में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाषण में गरिमा, निबंध में रजत, कविता में तमन्ना आजाद, प्रश्नोत्तरी में साक्षी, नारा लेखन में कृतिका प्रथम रहे। कॉलेज के कार्यकारी प्रधानाचार्य डॉ. राकेश शर्मा भी मौजूद रहे।